बिहार-झारखंड
संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना। बुधवार, 08 जनवरी 2025 सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

संक्षिप्त खबर

रेल मंत्री ने भारत सरकार का आधिकारिक कैलेंडर किया लॉन्च

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली ।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन ने मंगलवार को दिल्ली के रेल भवन में भारत सरकार का आधिकारिक कैलेंडर लॉन्च किया। इस नए कैलेंडर में साल भर की महत्वपूर्ण तिथियां, कार्यक्रम है, जिससे नागरिकों को देश के राजनीतिक और प्रशासनिक एजेंडे के बारे में व्यापक जानकारी मिलेगी। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष के कैलेंडर की थीम जनभागीदारी से जनकल्याण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ सबका विकास पर विश्वास करते हैं। प्रधानमंत्री के विजन और कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में जो बड़ा बदलाव आया है वह इस कैलेंडर में दिखाई पड़ता है। प्रौद्योगिकी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सांस्कृतिक विरासत, खिलाड़ियों, गरीब कल्याण, महिलाओं और गरीबों के लिए किये गये काम शामिल हैं।

आतंकवाद से निपटने पर सहमत हुए भारत व मलेशिया

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। भारत और मलेशिया ने आधिकारिक स्तर की पहली सुरक्षा वार्ता में आतंकवाद और कट्टरपंथ से निपटने के लिए सहमति जताई है। यहां मंगलवार को सुरक्षा वार्ता की सह-अध्यक्षता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और मलेशिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक राजा दातो नुशीरवान बिन जैनल आबिदीन ने की। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि सुरक्षा वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण पर विचारों का आदान-प्रदान किया और सुरक्षा, रक्षा और समुद्री क्षेत्रों में चल रहे द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। दोनों पक्ष आतंकवाद और कट्टरपंथ से निपटने, साइबर सुरक्षा, रक्षा उद्योग और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को बढ़ाने पर सहमत हुए। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी में सहयोग बढ़ाने के तरीकों की भी खोज की। वार्षिक बैठकें आयोजित करके वार्ता को संस्थागत बनाने पर सहमति बनी। दरअसल, यह सुरक्षा वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर अगस्त 2024 में मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम की भारत यात्रा का परिणाम है। इस यात्रा के दौरान भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया तथा दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

बीपीएससी अभ्यर्थियों को सुप्रीम कोर्ट से झटका

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की प्री-लिम्स परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता को पहले पटना हाई कोर्ट जाने की सलाह दी। कोर्ट ने कहा कि वह छात्रों और प्रदर्शनकारियों की भावनाओं को समझता है, लेकिन उन्हें पहले पटना हाई कोर्ट का रुख करना चाहिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। पटना हाई कोर्ट इस मामले पर संज्ञान ले सकता था, लेकिन ऐसा न होने पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया था। याचिका में इस परीक्षा में व्यापक धांधली का आरोप लगाते हुए इसकी जांच सुप्रीम के रिटायर्ड जज की निगरानी में कराने और प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज के जिम्मेदार जिले के एसपी और डीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

भूकंप से तिब्बत में तबाही, अब तक कम से कम 53 लोगों की मौत

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। मंगलवार की सुबह नेपाल और तिब्बत की सीमा के पास भयंकर भूकंप के कारण धरती कांप उठी है। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 7.1 मापी गई है। भूकंप की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके झटके भारत के बिहार, यूपी, दिल्ली एनसीआर, बंगाल समेत कई राज्यों में महसूस किए गए हैं। वहीं, इस भूकंप के कारण चीन प्रशासित तिब्बत में तबाही की खबरें सामने आ रही हैं।

अब तक 53 लोगों की मौत

चीन की शिन्हुआ न्यूज ओर से सामने आई जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को आए शक्तिशाली भूकंप के कारण तिब्बत क्षेत्र में अब तक कम से कम 53 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। ये आंकड़ा बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। चीन की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूकंप में कुछ गांवों के घर ढह गए हैं। भूकंप का केंद्र नेपाल के साथ हिमालयी सीमा के करीब सुदूर तिब्बती पठार में ऊपर बताया गया है।

नेपाल में क्या है हाल?

नेपाल की भूकंप निगरानी एजेंसी ने बताया है सुबह 6 बजकर 50 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेपाल के मुताबिक, भूकंप का केंद्र चीन का डिंगी था। नेपाल की राजधानी काठमांडू में भूकंप के झटकों के कारण लोग बुरी तरह से घबरा गए और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक भूकंप के कारण देश से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है।

10 किलोमीटर की गहराई में केंद्र

अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (USGS) ने बताया है कि मंगलवार को नेपाल की सीमा के पास तिब्बत क्षेत्र में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप का केंद्र पर्वतीय इलाके में लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। वहीं, चीन की भूकंप निगरानी एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 6.8 दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक, भूकंप के केंद्र के आसपास के इलाके की औसत ऊंचाई करीब 4,200 मीटर (13,800 फुट) है।

मेनका की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया चुनाव आयोग को नोटिस

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुल्तानपुर सीट से सपा सांसद राम भुआल निषाद के निर्वाचन को चुनौती देने वाली पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की याचिका पर चुनाव आयोग और सांसद निषाद को नोटिस जारी किया है। मेनका गांधी ने आरोप लगाया है कि राम भुआल निषाद ने नामांकन के वक्त दाखिल हलफनामे में अपने खिलाफ दर्ज सभी 12 मुकदमों की जानकारी नहीं दी है। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उनकी याचिका को चुनाव याचिका दाखिल करने की 45 दिन की समय सीमा के बाद दाखिल होने के चलते खारिज कर दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मेनका गांधी की एक और मांग पर सुनवाई पर इनकार कर दिया। मेनका गांधी ने जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 81 को भी चुनौती दी है, जिसमें चुनाव याचिका दाखिल करने की 45 दिन समय सीमा का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून बनाना हमारा काम नहीं है। इसमें हम दखल नहीं देंगे। कोर्ट के रूख को देखते हुए याचिकाकर्ता ने अपनी यह मांग वापस ले ली।

मंदार महोत्सव 2025 की तैयारियों का जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

साफ-सफाई एवं रंग रोगन का शेष कार्य 10 जनवरी तक पूर्ण करने का दिया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में मंदार महोत्सव 2025 की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा कृषि प्रदर्शनी में किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया गया। कृषि प्रदर्शनी के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कृषि प्रदर्शनी स्थल पर स्थित शौचालय के साफ-सफाई एवं रंग रोगन का शेष कार्य 10 जनवरी तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, बौंसी को शौचालय के साफ-सफाई करने का निर्देश दिया गया। मेला ग्राउंड निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से वाच टावर लगाने का निर्देश दिया गया। जहां आवश्यकता है वहां पर वैरीकेटिंग करने तथा कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल को सभी शौचालय को क्रियाशील रखने एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी को रेलवे लाइन के पास स्थित कचरे की सफाई करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, बौंसी को निर्देश दिया गया कि सभी खराब लाइटों को ठीक करें तथा समुचित प्रकाश की व्यवस्था करें। मेला के दौरान ठंड को देखते हुए अलाव की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल को निर्देश दिया गया कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित

करें। इसके अलावे चेंजिंग रूम का व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, बौंसी को मंदार पर्वत , मेला क्षेत्र का साफ-सफाई ससमय पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित विभागों को 10 जनवरी से पूर्व सभी कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। पापहरनी निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा कुछ जगहों पर जहां साफ सफाई की कमी है उसे जल्द से जल्द पूर्ण करनी हेतु निर्देशित किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को प्रतिदिन कार्य का जायजा लेने का निर्देश दिया गया। सभी शौचालय में कार्य करने हेतु कर्मियों का रोस्टर बनाकर प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। पापहरणी सीरी का रंग रोगन करने और गहराई को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को महिला पुलिस कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। आपदा से बचाव के लिए पापहरणी में बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया गया। सभी आवश्यक स्थलों पर बैरिकेटिंग करने तथा ड्रॉप गेट बनाने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल को निर्देश दिया गया कि संपूर्ण मेला परिसर में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करें इसके अलावा किसी प्रकार का खुला तार ना रहे इसका भी ध्यान रखें। मेला के दौरान सफा धर्मावलंबियों के आगमन को देखते हुए उनके लिए अलाव, चेंजिंग रूम तथा उनके ठहरने आदि की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। खेल मैदान की समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा 8 तारीख से शुरू होने वाले खेल प्रतियोगिता हेतु बैनर पोस्टर के माध्यम से प्रसारित करने का निर्देश दिया गया। खेल मैदान के निरीक्षण के क्रम में खेल मैदान में साफ सफाई का अभाव पाया गया जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत को कल तक साफ सफाई सुनिश्चित करने तथा दीवाल का रंग रोगन करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उनके द्वारा विद्यालय के बच्चों से वार्ता की गई और उनसे जानकारी ली गई। बच्चों द्वारा शिक्षक के अभाव की बात कही गई जिस पर जिला पदाधिकारी द्वारा एक संगीत शिक्षक और कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया।

शेरघाटी रमना कांड के लिए नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा एक विशेष टीम गठित किया गया

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। दिनांक 06.01.2025 को शेरघाटी थाना अंतर्गत घटित घटना के संबंध में शेरघाटी थाना द्वारा कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। इस पर वरीय पुलिस अधीक्षक गया के द्वारा इस मामले की गंभीरता को लेते हुए नगर पुलिस अधीक्षक, गया के मार्गदर्शन एवं सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी-1 के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक गया के द्वारा स्वयं एक गठित विशेष टीम के साथ, घटनास्थल, एवं उसके आसपास के क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया गया है। तत्पश्चात शेरघाटी थाना पहुँचकर इस कांड का अधतन समीक्षा किया गया है। समिक्षा उपरांत पुलिस अधीक्षक ने गठित विशेष टीम को इस कांड में संलिप्त अपराधकर्मियों के गिरफ्तारी हेतु विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं। इस गठित विशेष टीम के द्वारा, आसूचना संकलन, तकनीकी अनुसंधान एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इस कांड में संलिप्त अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है, जल्द ही इस कांड में संलिप्त अपराधकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दुकान के पटरा उखाड़ कर चोर ने चुराया लाखों रुपए के सामान

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर।मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के महमदीपुर पंचायत अंतर्गत मनियर स्थित एक गुमटीनुमा ऑनलाइन सेंटर दुकान में सोमवार की रात अज्ञात चोर ने गुमटी के पटरा उखाड़ कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है.इस संबंध में पीड़ित दुकानदार सरोज राय ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मंगलवार तड़के सुबह रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने उन्हें फोन कर घटना की जानकारी दिया।घटना की सूचना पर वह स्वयं पहुंचे जहां वह गुमटी के पटरा उखड़ा देख अचंभित रह गए। तब उन्होंने इस मामले की जानकारी मोहिउद्दीन नगर थाने में कार्यरत डायल 112 पुलिस को दिया । घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जानकारी ली।वही पीड़ित दिव्यांग दुकानदार सरोज राय ने घटना से संबंधित लिखित आवेदन मोहिउद्दीन नगर थाना में दिया है।जिसमें अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना बताते हुए कहा है। कि उनके गुमटीनुमा ऑनलाइन सेंटर दुकान से दो प्रिंटर इन्वर्टर बैट्री लेमिनेशन मशीन,सीपीयू मॉनिटर वाई फाई जिसका कीमत एक लाख रुपया से अधिक है।ये सभी दुकान से गायब है।इस बाबत जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष गौरव प्रसाद ने बताया कि घटना की पुलिस छानबीन कर रही है।जल्द ही इस मामले चोर पकड़ लिया जाएगा।

सभी प्रखंडों में बनेगा सुधा होल डे मिल्क बूथ

बरेला झील के विकास के लिए सर्वे एवं सीमांकन का कार्य पूर्ण

दैनिक बिहार पत्रिका

वैशाली।राज्य स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक के तुरंत बाद जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने पंचायती राज विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, पंचायत राज, ग्रामीण विकास एवं कृषि विभाग सहित कई विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की और आवश्यक निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि मत्स्य बाजार निर्माण की योजना हेतु पंचायत स्तरीय मत्स्य बाजार निर्माण के लिए 4000 वर्ग फीट तथा प्रखंड स्तरीय मत्स्य बाजार निर्माण के लिए 8000 वर्ग फुट भूमि की उपलब्धता संबंधित पदाधिकारी सुनिश्चित करें। जिलों में अवस्थित मत्स्य तालाबों को शीघ्र अतिक्रमण मुक्त करने का भी निदेश दिया गया। राज्य सरकार के साथ निश्चय योजना पार्ट 2 के अंतर्गत राज्य के सभी प्रखंडों में कुल 600 सुधा होल डे मिल्क बूथ का निर्माण कराया जाना है। वैशाली के 16 प्रखंडों में से बाकी बच्चे पांच प्रखंडों में इसके लिए शीघ्र भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में पर्यावरण एवं वन विभाग का टास्क फोर्स गठित किया गया है। जिसका कार्य है वन अपराध पर नियंत्रण, आर्द्र भूमि का सर्वेक्षण, सीमांकन एवं अतिक्रमण मुक्त किया जाना। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अब इस टास्क फोर्स की नियमित बैठक

आयोजित की जाएगी। बैठक में बताया गया कि वैशाली जिला में बरेला में सर्वे एवं सीमांकन का कार्य पूरा कर लिया गया है। खरीफ विपणन मौसम 2024- 25 अंतर्गत धान अधिप्राप्ति एवं किसानों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की गई और इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया गया। पंचायत सरकार भवन निर्माण, मुख्यमंत्री ग्रामीण ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, जिला परिषद के अधीन संचालित बस पड़ाव, सभी ग्राम पंचायत स्तर पर फिजिकल -डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना के संबंध में भी समीक्षा की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, ग्राम पंचायत में खेल मैदान निर्माण की भी समीक्षा की गई। कृषि विभाग अंतर्गत ई किसान भवन, हर खेत तक सिंचाई का पानी, कृषि बाजार प्रांगण में जीर्णोद्धार आदि की भी समीक्षा हुई। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि राज्य स्तर से दिए गए निर्देश का शत प्रतिशत और समय पर अनुपालन सुनिश्चित करें तथा विकास कार्य में और भी तेजी लाएं। बैठक में उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार सहित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

एक नज़र इधर भी

सदस्यता अभियान को लेकर आयोजित की गयी समीक्षा बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका। मंगलवार को बेलहर विधानसभा अंतर्गत पर्यटन सूचना केंद्र जिलेबिया मोर धर्मशाला में बेलहर विधानसभा के पूर्व विधायक रामदेव यादव की उपस्थिति में प्रखंड बेलहर,फुल्लीडुमर, चाँदन प्रखंड द्वारा चलाए जा रहे हैं सदस्यता अभियान का समीक्षा बैठक किया गया। समीक्षा बैठक में सभी प्रखंडों से विभिन्न पंचायत के पंचायत अध्यक्ष द्वारा सदस्यता अभियान का अधतन जानकारी सभी पंचायत अध्यक्ष से बारी-बारी से लिया गया। वही कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद ठाकुर, प्रधान सचिव मिठन यादव, युवा जिला अध्यक्ष विशाल यादव, प्रवक्ता प्रोफेसर सुरेश यादव, पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नरेश यादव, शिक्षक प्रकोष्ठ के यशवंत प्रसाद राय, रालोसपा के पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार उर्फ मंटू सिंह, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राजहंस पंडित, प्रमोद यादव सहित दर्जनों वक्ताओं ने 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में राजद का सरकार बनने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी के विभिन्न वादे को उपस्थित सभी के बीच रखा। बैठक में विभिन्न प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष,बूथ अध्यक्ष एवं सैकडों कार्यकर्ता मौजूद थे।

निर्धन एवं वंचितों के मध्य किया गया कम्बल का वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। कम्बल वितरण कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में गैर योजना सामाजिक सुरक्षा योजनान्तर्गत निर्धन, अपंग, भिक्षुकों, भूमिहीन, असहाय व्यक्तियों को कंबल वितरण किया जाना है। जिला पदाधिकारी, बांका के निर्देश पर सभी प्रखंडों , अनुमंडल एवं अन्य माध्यमों से बांका जिला अंतर्गत कुल 3010 कंबल का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, बांका एवं उनके टीम के द्वारा मनियारपुर एवं मसूरिया लक्ष्मी नगर में निर्धन एवं वंचितों के मध्य कम्बल का वितरण किया गया।

फसलों के प्रर्दशनी हेतु प्रादर्श का निबंधन 12 तथा 13 जनवरी को

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। मंदार महोत्सव 2025 में मुनेश्वर कृषि प्रर्दशनी मेला परिसर में उद्यानिक फसलों के प्रर्दशनी होना है। प्रादर्श किसानों द्वारा लाया जाएगा। प्रादर्श का निबंधन दिनांक 12.01.2025 को तथा दिनांक 13.01.2025 को प्रादर्श किसानों से लिया जाएगा एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु प्रादर्श का चयन किया जाएगा। इच्छुक किसान अपने प्रादर्श का निबंधन करा कर प्रदर्शनी में भाग ले सकते हैं।

जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास में चयनित छात्रों का लिया गया नामांकन

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। उप विकास आयुक्त ,बांका के अध्यक्षता में मंगलवार को छात्रावास चयन समिति द्वारा जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास, लक्ष्मीपुर,बांका में नामांकन हेतु चयनित छात्रों का नामांकन प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, अमरपुर द्वारा लिया गया है। साथ ही मार्गदर्शन -सह- प्रेरणा सत्र का आयोजन डिजिटल अध्ययन कक्ष में किया गया।

जल-जीवन- हरियाली दिवस का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। प्रथम मंगलवार को अंशुल कुमार जिला पदाधिकारी, बांका की अध्यक्षता में जल-जीवन- हरियाली दिवस का आयोजन किया गया। जिला पदाधिकारी, बांका द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित पदाधिकारीयों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जल-जीवन-हरियाली अभियान के क्रियान्वयन पर परिचर्चा की गई। कार्यक्रम में अंजनी कुमार, उप विकास आयुक्त, बांका, रवि प्रकाश गौतम, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, बांका, निवास कुमार, निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, बांका, मनोरंजन प्रसाद, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, बांका, राकेश रंजन, जिला मिशन प्रबंधक, बांका तथा अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित हुए।

जिला पदाधिकारी ने किया रेफरल अस्पताल का किया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका

डेंटल विभाग के कर्मियों के अनुपस्थिति पर वेतन पर रोक और विभागीय कार्रवाई करने के दिए आदेश

बौंसी/बांका। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने सोमवार को बौंसी रेफरल अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के विभिन्न विभागों, जैसे लेबर रूम, ओटी, एक्स-रे कक्ष और अन्य विभागों का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान, एक्स-रे विभाग को अस्पताल के बाहर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया। वहीं, डेंटल विभाग के कर्मियों के समय पर उपस्थित न पाए जाने पर उनके वेतन रोकथाम और विभागीय कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। साथ ही अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक न होने के कारण सफाई एजेंसी के भुगतान में से 10% राशि कटौती का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा, अस्पताल की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्वालिटी सर्टिफिकेशन प्राप्त करने का आदेश अस्पताल प्रबंधक को दिया गया। जिला पदाधिकारी ने अस्पताल प्रबंधक को सेवाओं की गुणवत्ता और स्वच्छता में सुधार के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया और रोगियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

ठंड से अधेड़ अज्ञात व्यक्ति का हुआ मौत

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरीअंबा गांव से आनंदपुर थाना पुलिस ने ठंड से सिकुड़ रहे मानसिक रूप से विक्षिप्त एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में बरामद कर इलाज हेतु रेफ़रल अस्पताल कटोरिया ले गया, जहां उनकी मौत होने कि पुष्टि कि गई है। इस संदर्भ में आनन्दपुर थानाध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि 112 के माध्यम से सुचना मिली कि कुसुम जोरी पंचायत के गौरी अंबा गांव के समीप एक अज्ञात व्यक्ति ठंड के कारण अचेत अवस्था में पड़ा है, सुचना मिलते ही आनंदपुर पुलिस बलों युवक को पुलिस वाहन में उठा कर इलाज के लिए कटोरिया अस्पताल जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे देखते मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस अभिरक्षा में पोस्टमार्टम हेतु बांका भेज दिया।

जिला परिषद की खाली जमीन पर विवाह भवन निर्माण करवाना मेरी पहली प्राथमिकता: गुणसागर पासवान

दैनिक बिहार पत्रिका

जिला परिषद सदस्य की फाइल फोटो

बरारी/ कटिहार। नपं बरारी स्थित जिला परिषद की खाली जमीन पर विवाह भवन निर्माण की मांग स्थानीय लोगों ने किया है। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य गुणसागर पासवान ने बताया कि जिला परिषद की खाली जमीन पर विवाह भवन बनाने का प्रस्ताव मेरे द्वारा जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह एवं उपविकास आयुक्त को दिया गया है। जिला परिषद अध्यक्ष के द्वारा विवाह भवन निर्माण कराने को लेकर सहमति दी गई है। विवाह भवन का निर्माण हो जाने से प्रखंडवासियों को शादी विवाह सहित अन्य समारोह के लिए कटिहार पूर्णिया नहीं जाना पड़ेगा साथ ही राजस्व का भी फायदा होगा। वर्तमान में जिला परिषद अध्यक्ष एवं डीडीसी के प्रयास से डाकबंगला चोराहा स्थित अतिथि भवन परिसर का चारदीवारी का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं कटरा का निर्माण कराया जा रहा है। जिला परिषद सदस्य ने आगे बताया कि जल्द ही विवाह भवन निर्माण कराने को लेकर पहल की जाएगी।

लोजपा एससी एसटी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

बैठक में मौजूद जिला अध्यक्ष एवं अन्य

बरारी/ कटिहार।लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष परशुराम पासवान के दिशानिर्देश पर जिला एससी एसटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजकिशोर पासवान की अध्यक्षता में उनके निज आवास पर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन की मजबूती पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान लोजपा(रा) एससी एसटी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष राजकिशोर पासवान ने कहा कि कि संगठन के मजबुती के लिए पार्टी के जिला एवं प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता बूथ स्तर पर कमिटी का गठन करें। इस दौरान पार्टी का विस्तार एवं प्रत्येक बूथ पर पार्टी को मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पासवान , जिला मिडिया प्रभारी पवन पासवान, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद पासवान ,कुर्सेला प्रखंड अध्यक्ष सुबोध पासवान, बरारी प्रखंड अध्यक्ष अशोक राय, कोढ़ा प्रखंड अध्यक्ष संजय पासवान, फलका प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर पासवान, (फलका)अरुण पासवान ,मनिहारी प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार पासवान,मनसाही प्रखंड अध्यक्ष भूपाल पासवान, अमदाबाद प्रखंड अध्यक्ष मधु पासवान, बारसोई प्रखंड अध्यक्ष गोकुल राय ,डंडखोरा प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मी रजक,पंचायत अध्यक्ष मनोरंजन पासवान एवं राकेश कुमार यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मेडिकल स्टोर का शटर तोड़ लाखों रुपये नगद व दवा की हुई चोरी

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। नगर थाना क्षेत्र के ताजपुर रोड स्थित शंकर ड्रग एजेंसी नामक दवा दुकान में दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने नगद रूपये व सामान की चोरी कर ली। दुकान मालिक कृष्ण कुमार मिश्र को इसकी जानकारी मंगलवार सुबह हुई, जब वह अपनी दुकान को खोलने के लिए पहुंचा तो दुकान का शटर टूटा हुआ था और सामान फैला पड़ा था। तत्काल इसकी सूचना नगर थाने की पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस द्वारा दवा दुकानदार के एक कर्मी को थाना ले जाया गया है। बताया गया है कि दवा दुकान में 4 से 5 लाख रुपये नगद रखे हुए थे, वह भी गायब है। इसके अलावा दवा की भी चोरी कर ली गई है। घटनास्थल से थाने की दूरी एक किलोमीटर भी नहीं है। व्यवसायियों ने पुलिस के रात्री गश्ती पर भी सवाल खड़े किए है।घटना के संदर्भ में नगर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि दवा दुकान में चोरी की जानकारी मिलते ही वह खुद घटनास्थल पर पहुंच जांच में जुटे हुए हैं। पीड़ित के द्वारा अभी आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद ही चोरी हुई रकम व सामान का आकलन हो सकेगा।

सार्वजनिक स्थल पर अलाव जलाने की मांग

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। प्रखंड छेत्र में बढ़ते ठंढ और शीतलहर से परेशान लोगो के लिए सार्वजनिक स्थल पर अलाव जलाने की मांग सीओ से किया गया है। इस बावत पूर्व प्रमुख एवं राजद के प्रखंड अध्यक्ष राम प्रकाश महतो, पूर्व मुखिया सूर्येश्वर प्रसाद राय, जनसुराज नेता अमरकान्त झा अमर ने बढ़ते ठंढ और शीतलहर को देखते हुए प्रखंड के चौक चौराहों सहित सार्वजनिक स्थानों पर जनहित में अविलंब अलाव जलाने की मांग किया है। उन्होंने कहा है कि सीओ ने कुछ जगहों पर अलाव जलाकर ख़ानापूर्ति किया है। जो न्याय संगत नहीं है। इसलिए प्रखंड के सभी सार्वजनिक स्थानों पर ठंढ को देखते हुए अलाव जलाने की व्यवस्था जनहित में किया जाए।

स्वस्थ शरीर से होता है स्वस्थ मन: पूर्व विधायक स्वस्थ मन व स्वस्थ शरीर पर परिचर्चा का हुआ आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी। रोहतास। शरीर स्वस्थ हो तो मन भी स्वस्थ रहता है, ऐसे में सकारात्मकता के साथ समाज में व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि पूर्वज इस बात को कहते हैं, कि जैसा खाएंगे अन्न, वैसा रहेगा मन। उक्त बातें पूर्व विधायक ई सत्यनारायण सिंह ने मंगलवार को पाली रोड स्थित संवेदना न्यूरो साइकेट्रिक रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड एवं उषा श्यामा फाउंडेशन द्वारा 78 वें स्थापना दिवस पर आयोजित परिचर्चा पर अपने संबोधन में कहीं। उन्होंने कहा कि भौतिकतावाद में लोग अपने कार्यों के दौरान मानसिक तनाव में रह रहे हैं। ऐसे में लोग स्वस्थ मन और स्वस्थ तन के साथ समाज में कार्य करें। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ उदय कुमार सिन्हा ने कहा कि आपका व्यवहार और आपकी सोच सकारात्मक होनी चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखने के बाद ही मन भी स्वस्थ व बेहतर होगा। शारीरिक , मानसिक व्यायाम के साथ - साथ साहित्य व सांस्कृतिक से जुड़ने पर हम मानसिक तौर पर पूरी तरह स्वस्थ रहेंगे। और विषम परिस्थिति में भी हार नहीं मानते हैं। शरीर को ऊर्जावान बनाने के लिए व्यायाम, बेहतर भोजन आवश्यक है। सकारात्मक सोच के कारण हम स्वयं को पहचान पाते हैं। काम के दौरान तनाव से खुद को कैसे बचाएं, यह हम सबको सोचना चाहिए। इसके लिए स्वस्थ मन के साथ हम काम करते हैं। पढ़ने वाले छात्रों के ऊपर शिक्षक, माता - पिता व दोस्तों का अलग अलग दबाव होता है। ऐसे में अभिभावक को अपने बच्चों के मन को समझते हुए उनके सपने को पूरा करने में उनके अनुसार सहयोग कर सकते हैं। यदि बच्चे सही जगह पर अपने उद्देश्य को पूर्ति करना चाहें, तो अभिभावक को यह समझना पड़ेगा, की अपने बच्चे पर अपना दबाव बनाने से बेहतर होगा कि, बच्चे के सपने को पूरा करने के लिए उनके साथ दबाव नहीं बल्कि सहयोगात्मक रवैया अपनाएं। परिचर्चा को अन्य लोगों के अलावे डॉ मालिनी सिन्हा , डॉ आशीष कुमार, सरदार नरेंद्र सिंह, पत्रकार सह अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश कुमार, महासचिव प्रो रणधीर सिन्हा, संगीत शिक्षक संजय श्रीवास्तव समेत अन्य ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन धर्मेंद्र कुमार ने किया।

विहिप व बजरंग दल ने किया संगठन विस्तार

विहिप बजरंग दल के नए कार्यकर्ता व पदाधिकारी

दैनिक बिहार पत्रिका

वैशाली ।विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल (संघ) के पूरे 100 वर्ष में परिवेश होने के उपलक्ष्य में, पूरे भारत मे हर खंड हर वार्ड हर पंचायत तक विश्व हिंदू परिषद बजरंग के संगठन का विस्तार कार्यक्रम का अभियान चलाया जा रहा हैं। उसी क्रम में मंगलवार को वैशाली जिला के पातेपुर खंड के अदलपुर चौक स्थित महावीर मंदिर पर राजू सिंह बजरंग दल अध्यक्ष पातेपुर(प्रखंड)की अध्यक्षता में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का बैठक किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से प्रियांशु गुप्ता(संयोजक बजरंग दल), कौशल कुमार(सह संयोजक), मनीष कुमार (मंत्री), चंदन कुमार सिंह (सह मंत्री),कुंदन कुमार (मिलन केंद्र प्रमुख), चुनचुन कुमार(सत्संग प्रमुख), विवेक कुमार(विद्यार्थी प्रमुख),बालेश्वर सिंह (विश्व हिंदू परिषद,अध्यक्ष), मिथलेश कुमार (विश्व हिंदू परिषद,उपाध्यक्ष), रणविजय राय(मंत्री), महेश कुमार (सह मंत्री), रामदयाल पंडित(गौ रक्षा प्रमुख), भूषण सिंह (मिलन केंद्र प्रमुख), जगदीश कुमार (सह मिलन केंद्र प्रमुख), रूपलाल (सत्संग प्रमुख), सत्यनारायण (सह गौ रक्षा प्रमुख),रामवृक्ष कुमार(पंचायत पालक) को संगठन का दायित्व दिया गया।वही राजू सिंह बजरंग दल अध्यक्ष पातेपुर प्रखंड ने सभी नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

बादल हत्याकांड की हो सीबीआई जांच: कुंवर राणा

मुख्यमंत्री के नाम कुंवर राणा संगठन ने डीआईजी को ज्ञापन सौंपा

'इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई मुख्यालय व सरकार की स्तर से की जा रही है': डीआईजी

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी। रोहतास। सासाराम में विगत दिनों बादल कुमार नामक युवक की हत्या के मामले में को लेकर कुंवर राणा सामाजिक संगठन की टीम ने मंगलवार को शाहाबाद डीआईजी सत्य प्रकाश से मिलकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। साथ हीं हत्याकांड के मामले को लेकर डीआईजी से वार्ता भी की है। सचिव गोपाल सिंह के नेतृत्व में कुंवर राणा सामाजिक संगठन के सदस्यों ने डीआईजी से मिलकर दुख जताते हुए कहा कि वर्दी की रौब में यातायात डीएसपी व उनके अंगरक्षक ने समाज के एक होनहार युवक कि सीने में गोली मारकर हत्या कर दीm तथा दो युवक घायल अवस्था में इलाजरत है। जहां एक और देश में सबके लिए कानून बराबर की बात कही जाती है। वहीं इस हत्या के मामले में दर्ज प्राथमिक की के बावजूद अब तक डीएसपी व उनके अंगरक्षक की गिरफ्तारी नहीं हुई। परिजनों व समाज के लोगों द्वारा मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की मांग की गई है। ताकि दोषियों को फांसी की सजा मिले, और पीड़ित परिवार को न्याय मिले। हत्याकांड से जुड़े मामले में डीआईजी ने कुंवर राणा संगठन के सदस्यों से विस्तार से चर्चा भी की।

डीआईजी ने कहा कि घटना स्थल पर यातायात डीएसपी को नहीं जाना चाहिए था। किंतु परिजनों की मांग पर ही जांच के लिए सीआईडी को लिखा गया था। सीआईडी की टीम जल्द ही घटनास्थल पर जाकर और परिजनों से मिलकर पूरे मामले की जांच शुरू करेगी। संगठन द्वारा दी गई ज्ञापन के आलोक में वह सीबीआई जांच की मांग से संबंधित पत्र भी सरकार को भेजेंगे। डीआईजी ने विश्वास दिलाया कि इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई मुख्यालय व सरकार की स्तर से की जा रही है।

घटना में दोषी जो भी होगा वह नहीं बचेंगे। प्रथम दृष्टया में सरकार के स्तर पर यातायात डीएसपी पर कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार पर जो दुखों का पहाड़ है, उसे दूर तो नहीं किया जा सकता है। किंतु कानूनन रूप से पीड़ित परिजनों का न्याय मिले 1, इसके लिए वह स्वयं भी प्रयासरत है। और वह घटनास्थल का भी दौरा कर चुके हैं। ज्ञापन सपना वालों में अधिवक्ता मनोज अज्ञानी, सुशील सिंह, कमलेश सिंह, सोनू सिंह समेत अन्य शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दूसरे चरण में वैशाली जिले को 276 करोड़ 80 लाख रुपये की दी सौगात

344 विकासात्मक योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

दैनिक बिहार पत्रिका /वैशाली

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को प्रगति यात्रा के क्रम में वैशाली जिला को 276 करोड़ 80 लाख रुपये की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 344 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत 113 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से 118 योजनाओं का उद्घाटन तथा 163 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से 226 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। प्रगति यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री ने वैशाली जिले के पटेढ़ी बेलसर प्रखंड स्थित नगवां ग्राम पंचायत में जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत सौंदर्गीकृत कराए गए पोखर का मुआयना किया एवं पोखर में मछली का जीरा छोड़ा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि काफी अच्छे ढंग से यह पोखर बन गया है। हमलोग जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत पूरे बिहार में सार्वजनिक कुओं, तालाबों, पोखरों आदि का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्गीकरण करा रहे हैं। जीवन के लिए जल अति आवश्यक है। जल का संरक्षण करना हर व्यक्ति का दायित्व है। वैशाली जिले में जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत निर्मित 11 जलाशयों को जीविका संपोषित ग्राम संगठनों को अगले पांच वर्षों के लिए निःशुल्क आवंटित किया गया। साथ ही इन जलाशयों के रख रखाव हेतु संबंधित ग्राम संगठनों को प्रारंभिक राशि 31 लाख 50 हजार रूपये की स्वीकृति पत्र एवं जीविका पोषण ई-रिक्शा की चाबी मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने वैशाली जिला से संबंधित विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने पटेढ़ी बेलसर प्रखंड के ग्राम नगवां में आदर्श पुस्तकालय सह कैरियर विकास केंद्र का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। लोकार्पण के पश्चात् नवनिर्मित आदर्श पुस्तकालय का मुआयना कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। जीविका दीदियों को मुख्यमंत्री ने आदर्श पुस्तकालय सह कैरियर विकास केंद्र की चाबी प्रदान की। जीविका दीदियों ने मुख्मयंत्री के आगमन पर स्वागत गान प्रस्तुत किया।

राजकीय मध्य विद्यालय नगवां के प्रांगण में जीविका दीदियों एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गये प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने 11 हजार 160 स्वयं सहायता समूहों को 135 करोड़ रूपये का सांकेतिक चेक, 1253 सतत् जीविकोपार्जन योजना से जुड़े लाभार्थियों को 4 करोड़ 50 लाख रुपये का सांकेतिक चेक एवं बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का स्वीकृति पत्र लाभुकों को प्रदान किया। प्रगति यात्रा के क्रम में जीविका दीदियों के साथ संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शामिल हुए। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया एवं संवाद कार्यक्रम में उन्हें अपने अनुभव तथा समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी जो भी समस्याएं और आवश्यकताएं हैं, उसको पूर्ण किया जाएगा। पूरे बिहार में जीविका दीदियां काफी अच्छा काम कर रही हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को जीविका दीदी नाम हमने ही दिया, इसे भूलियेगा मत। इससे प्रेरित होकर उस समय की केंद्र सरकार ने देश भर में इसका नाम आजीविका किया। प्रगति यात्रा के माध्यम से जगह-जगह जाकर जीविका दीदियों से बात करते हैं। वर्ष 2006 में हमलोगों ने विश्व बैंक से कर्ज लेकर बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ायी, जिसका परिणाम है कि आज बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़कर 10 लाख से अधिक हो गई है, जिनसे 1 करोड़ 31 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। हमलोगों ने अब शहरी क्षेत्रों में भी महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का काम शुरू किया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाओं की स्थिति में काफी बदलाव आया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़नेवाली महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। पहले महिलाएं घर से बाहर नहीं निलकती थी। अब वे बेधड़क अपना कारोबार कर रही हैं। ठीक ढंग से लोगों से बाते भी करने लगी हैं। यह देखकर मुझे काफी खुशी होती है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या काफी कम थी। हम जब केंद्र सरकार में मंत्री थे तो कई जगहों पर जाना होता था, वहां पर स्वयं सहायता समूह को देखते थे। बिहार में जब हमको काम करने का मौका मिला तो हमने वर्ष 2006 से बिहार में बड़े पैमाने पर जीविका समूह की शुरुआत करायी। इसको देखकर उस समय की केंद्र सरकार ने 'आजीविका' नाम से पूरे देश में योजना शुरु की। जीविका समूह से जुड़कर महिलाओं में काफी आत्मविश्वास आया है। जीविका दीदियां अब अपनी बातों को काफी अच्छे ढंग से रखती हैं। यह देखकर काफी अच्छा लग रहा है। हम जहां भी जाते हैं जीविका दीदियों से जरुर मुलाकात करते हैं। बिहार में काफी तादाद में महिलाएं जीविका समूह से जुड़ी हुई हैं। 1 करोड़ 31 लाख महिलाएं जीविका समूह से जुड़ी हुई हैं। अब शहरी क्षेत्रों में भी जीविका समूह का गठन किया जा रहा है। बिहार में राजनीतिक बयानबाजी पर पूछे गये सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमको इससे कोई लेना-देना नहीं है। हम शुरु से काम ही कर रहे हैं। हमारी पार्टी के लोगों ने दो बार गलती कर दी,अब आगे से ऐसा नहीं होगा। हमलोग मिलकर काम कर रहे हैं। श्रद्धेय स्व० अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ही हमें मुख्यमंत्री बनाया था। वे मुझे काफी मानते थे। वही चाहते थे कि हम बिहार के मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के क्रम में नगवां गांव का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं भी सुनीं एवं उनके तत्काल समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों के बीच ट्राई साइकिल की चाबी का वितरण किया एवं तालाब के पास पौधारोपण भी किया। तालाब के समीप जलकुंभी उत्पाद,टिकुली एवं मधुबनी पेंटिंग से संबंधित लगाए गये स्टॉल का अवलोकन किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने वाया नदी में गाद की समस्या के मद्देनजर मौना पुल से वाया नदी का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मैप के माध्यम से जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने वाया नदी के प्रवाह क्षेत्र एवं उसके वर्तमान स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वाया नदी में गाद की समस्या को दूर कराने के लिए इसकी उड़ाही कराइये। इस नदी के दोनों तरफ इसके बांध को ऊंचा कराकर उसे सुदृढ कराएं, ताकि नदी में ठीक ढंग से जल प्रवाहित हो सके। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महनार का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण कर डिस्पेंसरी, प्रधानाचार्य कक्ष, आई०एम०सी० अध्यक्ष कक्ष, उप प्रधानाचार्य कक्ष का जायजा लिया एवं विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं तथा छात्रावास के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। आई०टी०आई० प्रांगण में मुख्यमंत्री ने पौधारोपण भी किया। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री को पुष्प भेंटकर उनका अभिनंदन किया। आई०टी०आई० प्रांगण में महनार अनुमंडल से संबंधित विकासात्मक कार्यों का रिमोर्ट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके उपरांत बिहार सुधारात्मक प्रशासनिक संस्थान (BICA), हाजीपुर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वैशाली जिला में चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, हर घर नल जल योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, कृषि फीडर का निर्माण, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, पंचायत सरकार भवन निर्माण समेत अनेक योजनाओं में हुए प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा, योजना एवं विकास विभाग सह प्रभारी मंत्री बिजेंद्र यादव, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, विधायकगण सिद्धार्थ पटेल,अवधेश सिंह,मुकेश रौशन,लखेंद्र रौशन,संजय सिंह,वीणा सिंह, विधान पार्षद गुलाम गौस, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा,मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा,पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनंद, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त सरवनन एम०, पुलिस महानिरीक्षक सुरक्षा अमृत राज, पुलिस उप महानिरीक्षक तिरहुत प्रक्षेत्र चंदन कुमार कुशवाहा, वैशाली जिला के जिलाधिकारी यशपाल मीणा,पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एक नज़र इधर भी

जीपीडीपी के तहत ग्राम सभा आयोजित योजना किया चयन

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। जिला पंचायतीराज पदाधिकारी बांका के आदेशानुसार सबकी ₹योजना सबकी विकास₹ के आलोक में प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी बारने पंचायत भवन परिसर में मंगलवार सात जनवरी 2025 को ग्राम पंचायत मुखिया तुलसी रजक की अध्यक्षता में जीपीडीपी के तहत तृतीय विषेश ग्राम सभा का आयोजन किया गया। उक्त आलोक में पंचायत के उपस्थित सभी लोगों को योजना बद्ध तरीके से विस्तारपूर्वक जानकारी दिए। ग्राम सभा में ग्राम पंचायत को चहुंमुखी विकास को लेकर आगामी वित्तीय वर्ष 2025 -26 के लिए ग्राम पंचायत के विकास योजना जीपीडीपी क्रियान्वयन योजनाओं का चयन कर पोर्टल पर अपलोड करने का निर्णय लिया गया।बैठक में मुखिया तुलसी रजक उप मुखिया सुजीत कुमार रमानी,पंचायत सचिव कल्याण सिंह, वार्ड सदस्य भातु पासवान, विकास पंडित, मोहन यादव,वार्ड प्रतिनिधि अशोक मंडल, केवल दास,सहित पंचायत स्तरीय पंचायत जन-प्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद थे।

समाजसेवी द्वारा कूप का किया जा रहा निर्माण

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। मंगलवार को फुल्लीडुमर के समाजसेवी मुकेश कुमार उर्फ बेचन साह के द्वारा फुल्लीडुमर बड़की बांध के पास देवान बाबा एवं यक्षाराज बाबा स्थान के पास अपने सहयोग से जेसीबी की मदद से कूप का निर्माण कार्य किया जा रहा है। वहीं इसकी जानकारी देते हुए समाजसेवी बेचन साह ने बताया कि यहां पानी का अभाव रहने के कारण पूजा अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालु भक्तजनों को काफी परेशानी होती थी। श्रद्धालु भक्तजनों की परेशानी को देखते हुए मेरे निजी सहयोग से यहां कूप का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु भक्तजनों को काफी मदद मिलेगी।समाजसेवी बेचन साह के इस सराहनीय कार्य के लिए फुल्लीडुमर बाजार वासी अनंत कुमार, कपिलदेव साह, शंकर मंडल, फेचन तुड़ी ,अजय कुमार साह, जयहिंद गुप्ता सहित अन्य ने साधुवाद दिया है।

कुंभ मेला में 08 जोड़ी स्पेशल ट्रेन की होगा संचालन

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। रेलवे द्वारा महाकुम्भ के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर कई कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में 08 जोड़ी और कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जायेगा **जिनका विवरण निम्नानुसार है -**

1. गाड़ी सं. 05559/05560 सहरसा-टूण्डला-सहरसा कुंभ मेला स्पेशल (मानसी-खगड़िया-मोकामा-पटना-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 05559 सहरसा-टूण्डला कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 2025 को सहरसा से 09.00 बजे खुलकर 14.45 बजे पटना, 19.40 बजे डीडीयू, 23.10 बजे प्रयागराज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 06.30 बजे टूण्डला पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05560 टूण्डला-सरहसा कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी, 2025 टूण्डला से 11.20 बजे खुलकर 19.00 बजे प्रयागराज, अगले दिन 00.10 डीडीयू, 03.50 बजे पटना जं. सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 10.00 बजे सहरसा पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 07 कोच होंगे ।
2. गाड़ी सं. 05561/05562 सहरसा-टूण्डला-सहरसा कुंभ मेला स्पेशल (मानसी-खगड़िया-मोकामा-पटना-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 05561 सहरसा- टूण्डला कुंभ मेला स्पेशल 22 एवं 27 फरवरी, 2025 को सहरसा से 09.00 बजे खुलकर 14.45 बजे पटना, 19.40 बजे डीडीयू, 23.10 बजे प्रयागराज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 06.30 बजे टूण्डला पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05562 टूण्डला-सरहसा कुंभ मेला स्पेशल 23 एवं 28 फरवरी, 2025 टूण्डला से 16.20 बजे खुलकर अगले दिन 01.00 बजे प्रयागराज, 05.20 डीडीयू, 08.55 बजे पटना जं. सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 15.00 बजे सहरसा पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 07 कोच होंगे ।
3. गाड़ी सं. 05563/05564 सहरसा-भिण्ड-सहरसा कुंभ मेला स्पेशल (मानसी-खगड़िया-मोकामा-पटना-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 05563 सहरसा- भिण्ड कुंभ मेला स्पेशल 08 फरवरी, 2025 को सहरसा से 06.10 बजे खुलकर 11.20 बजे पटना, 15.10 बजे डीडीयू, 18.30 बजे प्रयागराज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 01.05 बजे भिण्ड पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05564 भिण्ड-सरहसा कुंभ मेला स्पेशल 09 फरवरी, 2025 भिण्ड से 03.30 बजे खुलकर 11.00 बजे प्रयागराज, 13.40 डीडीयू, 17.25 बजे पटना जं. सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 23.30 बजे सहरसा पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 07 कोच होंगे ।
4. गाड़ी सं. 05205/05206 रक्सौल-टूण्डला-रक्सौल कुंभ मेला स्पेशल (सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर- पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 05205 रक्सौल-टूण्डला कुंभ मेला स्पेशल 18 फरवरी, 2025 को रक्सौल से 22.00 बजे खुलकर अगले दिन 01.00 बजे मुजफ्फरपुर, 03.40 बजे पाटलिपुत्र, 07.35 बजे डीडीयू, 11.10 बजे प्रयागराज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 20.15 बजे टूण्डला पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05206 टूण्डला-रक्सौल कुंभ मेला स्पेशल 20 फरवरी, 2025 टूण्डला से 11.20 बजे खुलकर 19.00 बजे प्रयागराज, अगले दिन 00.10 डीडीयू, 03.55 बजे पाटलिपुत्र, 07.00 बजे मुजफ्फरपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 11.00 बजे रक्सौल पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 07 कोच होंगे ।
5. गाड़ी सं. 03695/03696 धनबाद-टूण्डला-धनबाद कुंभ मेला स्पेशल (कोडरमा-गया-सासाराम-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 03695 धनबाद-टूण्डला कुंभ मेला स्पेशल 08 फरवरी, 2025 को धनबाद से 12.40 बजे खुलकर 14.25 बजे कोडरमा, 15.55 बजे गया, 19.40 बजे डीडीयू, 23.10 बजे प्रयागराज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 06.30 बजे टूण्डला पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03696 टूण्डला-धनबाद कुंभ मेला स्पेशल 09 फरवरी, 2025 को टूण्डला से 16.20 बजे खुलकर अगले दिन 01.00 बजे प्रयागराज, 05.20 डीडीयू, 08.45 बजे गया, 09.40 बजे कोडरमा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 12.00 बजे धनबाद पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 07 कोच होंगे ।
6. गाड़ी सं. 05267/05268 मुजफ्फरपुर-झूसी-मुजफ्फरपुर कुंभ मेला स्पेशल (बापूधाम मोतीहारी-बेतिया-नरकटियागंज-गोरखपुर के रास्ते) - गाड़ी सं. 05267 मुजफ्फरपुर-झूसी कुंभ मेला स्पेशल 08 एवं 15 जनवरी तथा 05 एवं 19 फरवरी, 2025 को मुजफ्फरपुर से 17.15 बजे खुलकर 18.56 बापूधाम मोतीहारी, 20.13 बजे नरकटियागंज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 06.40 बजे वाराणसी तथा 09.55 बजे झूसी पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05267 झूसी-मुजफ्फरपुर कुंभ मेला स्पेशल 09 एवं 16 जनवरी तथा 06 एवं 20 फरवरी, 2025 को झूसी से 12.00 बजे खुलकर 14.50 बजे वाराणसी, अगले दिन 01.35 बजे नरकटियागंज, 02.58 बजे बापूधाम मोतीहारी सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 04.50 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 07 कोच होंगे ।
7. गाड़ी सं. 05285/05286 जयनगर-झूसी-जयनगर कुंभ मेला स्पेशल (दरभंगा-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-गाजीपुर सिटी-वाराणसी के रास्ते) - गाड़ी सं. 05285 जयनगर-झूसी कुंभ मेला स्पेशल 10, 24 एवं 31 जनवरी तथा 28 फरवरी, 2025 को जयनगर से 23.50 बजे खुलकर अगले दिन 01.00 दरभंगा, 03.30 बजे मुजफ्फरपुर, 04.35 बजे हाजीपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 12.40 बजे वाराणसी तथा 15.45 बजे झूसी पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05286 झूसी-जयनगर कुंभ मेला स्पेशल 11 एवं 25 जनवरी, 01 फरवरी तथा 01 मार्च, 2025 को झूसी से 17.45 बजे खुलकर 21.05 बजे वाराणसी, अगले दिन 04.05 बजे हाजीपुर, 05.10 बजे मुजफ्फरपुर, 08.10 बजे दरभंगा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 10.15 बजे जयनगर पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 07 कोच होंगे ।
8. गाड़ी सं. 05295/05296 दरभंगा-झूसी-दरभंगा कुंभ मेला स्पेशल (समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर- हाजीपुर-गाजीपुर सिटी-वाराणसी के रास्ते) - गाड़ी सं. 05295 दरभंगा-झूसी कुंभ मेला स्पेशल 25 जनवरी, 15 एवं 22 फरवरी तथा 01 मार्च, 2025 को दरभंगा से 21.00 बजे खुलकर 23.20 बजे मुजफ्फरपुर अगले दिन 00.15 बजे हाजीपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 10.00 बजे झूसी पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05296 झूसी-दरभंगा कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी, 16 एवं 23 फरवरी तथा 02 मार्च, 2025 को झूसी से 12.10 बजे खुलकर 15.35 बजे वाराणसी, 22.40 बजे हाजीपुर, 23.45 बजे मुजफ्फरपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 02.30 बजे दरभंगा पहुंचेगी ।

विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए एनडीआरएफ जवानों द्वारा परिचय अभ्यास कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर जिले के 11 विद्यालयों में विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए एनडीआरएफ जवानों द्वारा परिचय अभ्यास कार्यक्रम आयोजन कराया जा रहा है, यह कार्यक्रम दिनांक 25.12.2024 से 08.12.2025 तक आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में मंगलवार को राष्ट्रीय उच्च विद्यालय धौंनी, रजौन में परिचय अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम व प्रशिक्षित आपदा मित्र द्वारा प्रशिक्षण सह मॉक अभ्यास किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों को विभिन्न आपदाओं से बचने की विस्तृत जानकारी दी गयी। सभी विद्यार्थियों को भूकंप , डूबने, आग लगी जैसे स्थिति में किए जाने वाले त्वरित कार्रवाई से सभी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इस दौरान घटना के पश्चात घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार जैसे फ्रैक्चर, सी0पी0आर0, रक्तस्राव को रोकने की विधि को उपलब्ध घरेलू सामग्रियों के माध्यम से बचाव करने के बारे में बताया गया। ताकि जान माल की हानी को कम किया जा सके। मालूम हो कि कार्यक्रम को लेकर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल नई दिल्ली द्वारा तैयार

योजना के अनुसार 9वीं बटालियन राज्य आपदा मोचन बल बिहटा पटना से जिले में एनडीआरएफ जवानों की प्रतिनियुक्ति की गयी है. जो निर्धारित तिथि के अनुसार संबंधित विद्यालय में प्रशिक्षण सह मॉक ड्रील कर बच्चों को विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी दे रहे हैं।

क्यों भारत को चाहिए सैकड़ों डॉ. तितियाल और दर्जनों एम्स

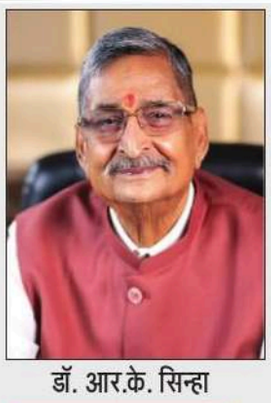

डॉ. आर.के. सिन्हा

आपको एम्स में देश के कोने-कोने से आए हजारों रोगियों का इलाज होता मिलेगा। यहां पर भिखारी से लेकर भारत सरकार का बड़ा बाबू भी लाइन में मिलेगा। एम्स के डॉक्टर किसी के साथ उनके पद या आर्थिक आधार पर भेदभाव नहीं करते। यहां पर सुबह-शाम रोगियों का आना-जाना इस बात की गवाही है कि देश को एम्स पर भरोसा है।

अभी बीते कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियों बहुत वायरल हो रहा था , जिसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के राजेन्द्र प्रसाद आई सेंटर के अध्यक्ष डॉ. जीवन सिंह तितियाल अपनी सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद अपने साथियों और रोगियों के साथ घिरे हुए हैं। उनकी आंखें नम है। दरअसल प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तितियाल नेत्र चिकित्सा में अपनी विशेषज्ञता और समर्पण भाव से अपने मरीजों की देखभाल के लिए जाने जाते रहे। वे लगभग साढ़े चार दशकों तक एम्स से जुड़े रहे। इस दौरान उन्होंने हजारों रोगियों का इलाज किया और वे लगभग इतने ही छात्रों के गुरु भी रहे। अगर एम्स को देश का सबसे बेहतर अस्पताल माना जाता है, तो उसे इस मुकाम पर लेकर जाने में डॉ. तितियाल जैसे डॉक्टरों का भी अहम रोल रहा है। डॉ. तितियाल के मार्गदर्शन में कई युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों ने उच्च स्तर की सफलता हासिल की है।

देखिए , किसी भी सफल डॉक्टर को अपने क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधानों को लेकर अपडेट तो होना ही चाहिए। उन्हें नवीनतम चिकित्सा अनुसंधान, उपचार और तकनीकों के बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए। इस लिहाज से डॉ तितियाल बेजोड़ रहे। डॉ. तितियाल सही ढंग से रोग का निदान करने और उपयुक्त उपचार योजना बनाने में भी सक्षम हैं। इसमें रोगी के लक्षणों, चिकित्सा इतिहास और परीक्षण परिणामों का विश्लेषण करना शामिल है। डॉक्टर को मरीजों को उनकी बीमारी और उपचार विकल्पों को स्पष्ट और सरल तरीके से समझाने में सक्षम होना चाहिए।

डॉ. तितियाल एम्स के मरीजों को ध्यान से सुनते थे और उनकी चिंताओं और सवालों को गहराई से समझते थे। उनसे मिलकर रोगी आश्वस्त महसूस करता था। वे सभी मरीजों के साथ सम्मान और गरिमा पूर्ण व्यवहार रखते थे, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। डॉ. तितियाल मोतियाबिंद सर्जरी में विशेषज्ञ हैं, जिसमें फेकोइमल्सीफिकेशन और इंट्राओकुलर लेंस प्रत्यारोपण जैसी आधुनिक तकनीकें शामिल हैं। उन्होंने कई जटिल मोतियाबिंद सर्जरी सफलतापूर्वक की। वे कॉर्निया प्रत्यारोपण, टेरिगियम सर्जरी और अपवर्तक सर्जरी (जैसे लेसिक) में भी कुशल हैं। उनकी विशेषज्ञता कॉर्निया से संबंधित विभिन्न बीमारियों के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. तितियाल ग्लूकोमा के निदान और उपचार में भी अनुभवी हैं, जिसमें दवाओं, लेजर उपचार और सर्जरी का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, वे सामान्य नेत्र रोगों जैसे कि कंजंक्टिवाइटिस, ड्राई आई सिंड्रोम, और अन्य नेत्र संक्रमणों का इलाज करने में भी सक्षम हैं।

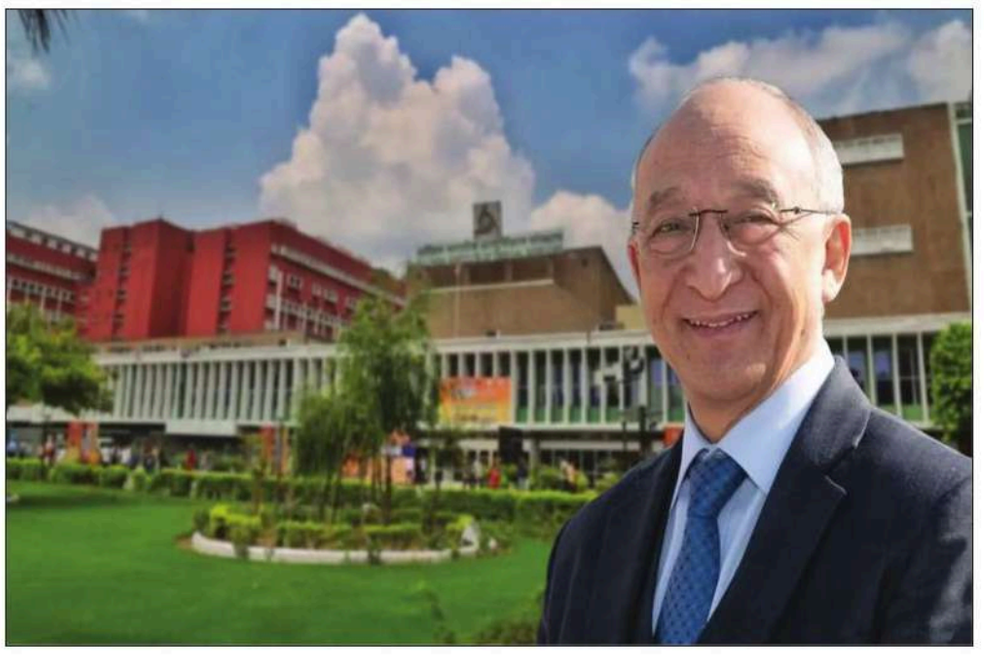

वे नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनके शोध प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं, जो उनके वैज्ञानिक योगदान को दर्शाते हैं। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेत्र विज्ञान सम्मेलनों में नियमित रूप से भाग लेते हैं और अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करते हैं। डॉ. तितियाल अपने मरीजों के प्रति समर्पित हैं और उनकी हर समस्या को ध्यान से सुनते हैं। वे व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने में विश्वास रखते हैं।

वे मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करते रहे। वे नवीनतम तकनीकों और उपचार विधियों का उपयोग करके मरीजों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करते रहे। उम्मीद करनी चाहिए कि वे आगे भी अपनी सेवाएं देते रहेंगे। डॉ. तितियाल ने जटिल मोतियाबिंद के मामलों के प्रबंधन पर भी महत्वपूर्ण शोध किया है, जैसे कि वे मामले जिनमें पुतली सिकुड़ी हुई है या लेंस का विस्थापन हुआ है। उनके शोध ने ऐसे रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं।

डॉ. तितियाल ने ग्लूकोमा के शुरूआती निदान के लिए नई तकनीकों का अध्ययन किया है। उन्होंने ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (डऊळ) और अन्य इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करके ग्लूकोमा से प्रभावित तंत्रिका फाइबर परत में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों का अध्ययन किया है। उन्होंने ग्लूकोमा के इलाज के लिए नए चिकित्सीय तरीकों की खोज में भी योगदान दिया है। उनके शोध में विभिन्न प्रकार की दवाइयों और शल्य चिकित्सा विकल्पों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने ग्लूकोमा की प्रगति की निगरानी के लिए नए तरीकों का अध्ययन किया है। उनके शोध से चिकित्सकों को ग्लूकोमा के रोगियों में दृष्टि हानि को रोकने में मदद मिली है। डॉ. तितियाल ने कॉर्निया प्रत्यारोपण में उपयोग की जाने वाली नवीन तकनीकों का विकास किया है। उन्होंने एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी जैसी तकनीकों का अध्ययन किया है, जो कॉर्निया प्रत्यारोपण के बाद जटिलताओं को कम करने में मदद करती हैं।

उन्होंने सूखी आंख के कारणों और उपचार पर भी शोध किया है। उनके शोध ने सूखी आंख से पीड़ित रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं। डॉ. तितियाल ने कॉर्नियल संक्रमणों के प्रबंधन पर भी शोध किया है। उनके शोध ने इन संक्रमणों के लिए प्रभावी एंटीबायोटिक दवाओं और अन्य उपचारों की पहचान करने में मदद की है। डॉ. तितियाल का शोध नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा है। उनके शोध ने मोतियाबिंद सर्जरी को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने में मदद की है, ग्लूकोमा के शुरूआती निदान और उपचार को बेहतर बनाया है, और कॉर्नियल बीमारियों के इलाज के लिए नए विकल्प प्रदान किए हैं। उन्होंने रेटिना रोगों के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉ. तितियाल की तरह एम्स से ना जाने कितने डॉक्टर एमबीबीएस, एमएस,एमडी वगैरह करने के बाद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर के रूप में स्थापित हुए। एम्स अपने यहां पढ़े विद्यार्थियों को लगातार शोध करने और मानवीय बने रहने के लिए प्रशिक्षित करता है। यहां के डॉक्टरों में मानव सेवा का गजब का जज्बा देखने को मिलता है। विश्व विख्यात लेखक और मोटिवेशन गुरु डॉ.दीपक चोपड़ा,शिकागो यूनिवर्सिटी के पैथोलिजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार, गंगा राम अस्पताल के मशहूर लीवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अरविंदर सिंह सोईन, एम्स के मौजूदा डायरेक्टर डॉ.रणदीप गुलेरिया,ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.रमेश डेका, डॉ. पी.वेणुगोपाल,डॉ. सिद्धार्थ तानचुंग, यूरोलोजिस्ट डॉ. राजीव सूद जैसे सैकड़ों चोटी के डॉक्टरों ने एम्स में ही शिक्षा ग्रहण की और फिर इधर सेवाएं भी दीं। डॉ. राजीव सूद ने कुछ सालों तक एम्स में सेवा देने के बाद राजधानी के राममनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) को ज्वाइन किया और फिर इसके डीन भी रहे। वे कहते हैं कि एम्स की तासीर में सेवा है। जो एक बार एम्स रह लिया वह फिर मानव सेवा के प्रति समर्पित रहेगा। इधर डॉ. जीवन सिंह तितियाल के अलावा प्रोफेसर प्रदीप वेंकटेश, प्रोफेसर तरुण दादा, प्रोफेसर विनोद अग्रवाल जैसे बेहतरीन नेत्र चिकित्सक हैं। इन्हें आप संसार के सबसे कुशल डॉक्टरों की श्रेणी में रख सकते हैं। इन सब डॉक्टरों की देखरेख में देश के नए डाक्टर तैयार होते हैं।

आपको एम्स में देश के कोने-कोने से आए हजारों रोगियों का इलाज होता मिलेगा। यहां पर भिखारी से लेकर भारत सरकार का बड़ा बाबू भी लाइन में मिलेगा। एम्स के डॉक्टर किसी के साथ उनके पद या आर्थिक आधार पर भेदभाव नहीं करते। यहां पर सुबह-शाम रोगियों का आना-जाना इस बात की गवाही है कि देश को एम्स पर भरोसा है।

एम्स भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री और गांधी जी की सहयोगी राजकुमारी अमृत कौर के विजन का नतीजा है। जिस निष्ठा और निस्वार्थ भाव से एम्स के डॉक्टर रोगियों को देखते हैं, उससे समझ आ जाता है कि ये सामान्य अस्पताल तो नहीं है। भारत को अभी बहुत सारे एम्स और डॉ. तितियाल जैसे डॉक्टर चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

मुफ्त देने का मुकाबला

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिताने की अपील करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनकल्याणकारी योजनाओं के जारी रहने की बात की। मोदी ने कहा यदि भाजपा की सरकार बनती है तो जनहित की योजनाएं जारी रहेंगी बल्कि इनमें व्याप्त भ्रष्टाचार को रोका जाएगा व ठेकेदारों को बाहर किया जाएगा। उन्होंने दिल्ली सरकार की योजनाओं के केवल कागजों पर चलने का इल्जाम लगाते हुए दस साल बर्बाद होने की बात उठाई। मोदी का कहना है आप सरकार हार से घबरा गई है इसलिए जनता के बीच झूठ फैला रही है कि उसकी सरकार जाने पर कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। आप सरकार के केंद्र की योजनाओं को लागू न करने देने का आरोप लगाते हुए नवनिर्मित मुख्यमंत्री आवास को शीशमहल बताया। आप-दा को नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे जैसा नारा देते हुए प्रधानमंत्री अपनी पार्टी में भरपूर जोश भरने का प्रयास करते नजर आये। निश्चित रूप से आम आदमी पार्टी जनहित योजनाओं को लेकर अब तक बहुत पुरउम्मीद थी। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने चुनावी भाषणों में दिल्ली की जनता को समझाने में कामयाब हो रहे थे कि भाजपा सरकार बनी तो उनके द्वारा जारी विभिन्न योजनाओं को तत्काल बन्द कर दिया जाएगा। मोदी का यह पलट वार माना जा सकता है, जिसमें उन्होंने मुफ्त वाली विभिन्न योजनाओं के न केवल जारी रखने की उम्मीद जगाई बल्कि जनता को विश्वास दिलाया कि उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं का भी लाभ दिया जा सकता है, जिनमें सौरघर मुफ्त बिजली, आयुष्मान सहित गरीबों को वित्तीय लाभ भी शामिल है। केजरीवाल लंबे समय से केंद्र की आंखों की किरकिरी हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों में आप के विभिन्न वरिष्ठ नेताओं को जेल हो चुकी है। चुनावी मौसम से पहले ही भाजपा उन्हें घेरने की पूरी तैयारी कर चुकी है। केजरीवाल के दल का नामकरण आप-दा कर-के मोदी ने उनका खासा मखौल भी बनाया। चुनावी दंगल में अब कमर के नीचे प्रहार करने में नेता परहेज नहीं करते। कटाक्ष करने के साथ ही वे जनता को लुभाने वाली निजी टिप्पणियां भी खूब करते हैं। चुनावी रैली में मोदी उतरते ही उनके दल के तेवर बदल गए और जोश नजर आने लगा। मुफ्त की योजनाएं और आर्थिक लाभ का लोभ वोट बैंक को आकर्षित करने का बेहतरीन फामूर्ला बन चुका है। दिल्ली की जनता का पलड़ा किसकी तरफ झुकता है, इस पर देश भर की निगाहें लगी हुई हैं।

चिंतन-मनन

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्रों में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

ललित गर्ग

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है।

नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ित लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई।

चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके।

एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्तूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें।

चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है? वे बार-बार किसी-न-किसी प्रकार की महामारी की चपेट में आ रहे हैं और सम्पूर्ण मानव जाति को इससे पीड़ित बना रहे है तो यह गंभीर बात है। क्या इसका बड़ा कारण चीनी लोगों को खान-पान है? जरूरत से ज्यादा सुविधावादी जीवनशैली, कृत्रिम संसाधनों की प्रचुरता एवं अप्राकृतिक जीवन उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा है। ध्यान रहे कोरोना महामारी के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका संतोषजनक नहीं थी। कोरोना महामारी की भयावहता के बावजूद वह चीन के प्रति उदार बना रहा। इसलिये एचएमपीवी महामारी के सन्दर्भ में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ गंभीरता दिखाते हुए पर्याप्त कदम उठायेगा? क्या उसने कोरोना महामारी के समय चीन से सही सवाल पूछे होते तो इस बीमारी के संभावित खतरे को नियंत्रित किया जा सकता था? क्या कोरोना बीमारी को लेकर विश्व को समय से सलाह न दे पाने में नाकाम रहने के लिए उसे जिम्मेदार माना जाना चाहिए? इस नयी महामारी को लेकर भी इन्हीं कारणों से डब्ल्यूएचओ पर ज्यादा विश्वास कैसे किया जा सकता है? भारत में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ.अतुल गोयल ने शुक्रवार को कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य सांस संबंधी वायरस है जो सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। कुछ लोगों को, खासकर बुजुर्गों और शिशुओं को, फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं। लेकिन यह कुछ गंभीर या चिंताजनक नहीं है।ह्न डॉ. गोयल ने भले से मनोवैज्ञानिक तरह से एचएमपीवी वायरस को गंभीर न बताकर इसके आतंक को कम कर दिया है, सरकार भी इस महामारी को लेकर सतर्क है, लेकिन फिर भी इस नये वायरस की त्रासदी एवं संकट से जूझ रहे विश्व-मानव को सावधान रहना चाहिए। विभिन्न देशों की सरकारों एवं डब्ल्यूएचओ का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाना है। हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और महामारी का शिकार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे प्रकार के इलाज की अच्छी सुविधा मिल सके, ऐसे प्रयास करने है।

मुद्दा : किसानों की कोई सुनवाई नहीं

अमरेंद्र कुमार राय

पिछले एक साल से किसान फिर धरने पर बैठे हैं। वो भी उन मांगों के लिए जो तीन साल पहले ही केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने मान ली हैं। आप पूछ सकते हैं कि अगर किसानों की मांगें मान ली गई हैं तो वे धरने पर क्यों बैठे हैं? इसका जवाब है केंद्र सरकार की वादाखिलाफी। इसने मांगे तो मान लीं, लेकिन उस पर अमल नहीं किया।

19 नवम्बर 2021 को गुरु नानक जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का एलान किया था। इसके साथ ही कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने के लिए एक समिति बनाने, आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज किए गए मुकदमे वापस लेने और कृषि ऋणों पर उदारतापूर्वक विचार करने की बात भी कही।

इसके बाद किसानों ने 9 दिसम्बर 2021 को आंदोलन समाप्त करने पर सहमति प्रदान की और कहा कि 11 तारीख से उनकी आंदोलन से वापसी हो जाएगी, लेकिन दो साल बीत जाने के बावजूद सरकार ने किसानों की मांगों पर अमल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सरकार ने एमएसपी लागू करने के लिए समिति का गठन तो कर दिया, लेकिन उसमें उन लोगों को शामिल कर दिया जो लोग कृषि कानूनों के पक्षधर थे।

इसमें किसान प्रतिनिधियों को तो शामिल किया गया, मगर बहुमत सरकार समर्थक प्रतिनिधियों का कर दिया गया। इससे नाराज होकर किसानों ने उस समिति की बैठकों में भाग लेने से ही मना कर दिया। इनका तर्क था कि समिति सारे फैसले बहुमत के आधार पर अपने पक्ष में करा लेगी। इसी तरह सरकार ने आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज किए गए मुकदमों को भी वापस नहीं लिया। आज भी 55 हजार से ज्यादा किसानों पर मुकदमे दर्ज हैं। किसानों के कृषि ऋणों को लेकर भी कोई बात नहीं हुई।

इससे क्षुब्ध किसानों ने नये सिरे से आंदोलन शुरू करने का मन बनाया। करीब एक साल पहले किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के प्रति निष्ठा रखने वाले किसानों ने धरना शुरू कर दिया, लेकिन इस बार उन्हें पिछली बार की तरह दिल्ली की सीमा तक नहीं पहुंचने दिया गया। उन्हें पंजाब की सीमा पर ही रोक दिया गया। किसान साल भर से वहीं धरने पर बैठे रहे, लेकिन सरकार उनसे बात करने को तैयार नहीं हुई। तब कैंसर पीड़ित 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 26 नवम्बर को आमरण अनशन की घोषणा कर दी। सरकार के कान पर तो फिर भी जूं नहीं रेंगी, मगर जब अनशन को करीब एक महीने बीत गए तो सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लिया।

उसने पंजाब सरकार को कहा कि वह डल्लेवाल को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराए, लेकिन डल्लेवाल इसके लिए तैयार नहीं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं वे चिकित्सकीय सुविधा नहीं लेंगे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भी किसान सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर सुप्रीम कोर्ट इस मामले को सुलझाने की दिशा में सार्थक पहल करना चाहता है तो उसे पंजाब सरकार की बजाय केंद्र सरकार को हिदायत या आदेश देना चाहिए। आखिर कृषि का मसला पंजाब सरकार से तो जुड़ा नहीं है। यह केंद्र का मामला है। केंद्र की सरकार ने ही पहले मांगें मानी थीं। उसे ही इस पर अमल करना है।

अपने आंदोलन को गति देने के लिए किसानों ने बीती चार जनवरी को एक महापंचायत बुलाई थी। इस महापंचायत में एक लाख से ज्यादा किसान जुड़े। इसमें पंजाब और हरियाणा के किसान तो थे ही देश के बाकी हिस्सों से भी किसान पहुंचे। पिछली बार के आंदोलन से सबक लेते हुए किसान दो-तीन दिन पहले ही महापंचायत स्थल पर पहुंच गए थे। इस महापंचायत में डल्लेवाल भी स्ट्रेचर पर लाए गए। उन्होंने थोड़ी देर किसानों को संबोधित भी किया।

इस बीच सरकार ने अपना पुराना खेल शुरू कर दिया

है। किसानों में फूट डालने वाली। जहां ये पंचायत हुई उसके बगल में ही उसी दिन एक दूसरी पंचायत भी हुई। कहा जा रहा है कि ये पंचायत सरकार के इशारे पर की गई और किसान आंदोलन के विरुद्ध बातें की गईं। दूसरी तरफ सरकार ने एक नई पॉलिसी तैयार की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि केंद्र सरकार इस नई पॉलिसी के जरिए एक बार फिर से निरस्त किए गए तीनों कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से वापस लाना चाहती है। केंद्र ने इस पॉलिसी को विचार के लिए सभी राज्यों को भेजा है। किसान भी इस पॉलिसी को लेकर सशंकित और सतर्क हैं।

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें। जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकून के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

पायल को मिला बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड, फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को क्रिटिक्स ने सराहा

पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हो चुकी हैं। कान फिल्म फेस्टिवल में खूब तारीफें बटोरने और अवॉर्ड जीतने के बाद यह फिल्म गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स पाने की दौड़ में शामिल है। हाल ही में पायल कपाड़िया को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड नेशनल सोसाइटी ऑफ फिल्म क्रिटिक्स की तरफ से मिला है।

क्रिटिक्स की मिली है सराहना

पायल कपाड़िया को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड नेशनल सोसाइटी ऑफ फिल्म क्रिटिक्स की तरफ से मिला है तो इसका मतलब है कि उनकी फिल्म को क्रिटिक्स द्वारा पसंद किया गया है। यह फिल्म शुरुआत से ही प्रशंसकों के साथ आलोचकों को भी पसंद आई है। फिल्म की कहानी की बात की जाए तो इसमें मुंबई के बैकड्रॉप को लेकर आम महिलाओं के संघर्ष और जीवन को बहुत ही उम्दा तरीके से दिखाया गया है। पायल का डायरेक्शन भी बिल्कुल हटकर है। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में कनी कुश्रुति, दिव्या प्रभा, छाया कदम जैसी बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। इन सभी ने अपनी रोल को बहुत ही उम्दा तरीके से पर्दे पर निभाया है। खासकर कनी और दिव्या का काम दर्शकों को खूब भाया है।

अब ग्लोडन ग्लोब का इंतजार

अब 82वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में भी भारतीय दर्शकों की नजर पायल कपाड़िया की फिल्म पर टिकी हुई है। फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट को अवॉर्ड मिले, ऐसा हर मूवी लवर की ख्वाहिश है। दरअसल, पायल की फिल्म को आस्कर में नॉमिनेट होने का मौका नहीं मिला था, ऐसे में भारतीय सिनेप्रेमी चाहते हैं कि 82वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट अवॉर्ड जरूर जीत जाए।

दो कैटेगिरी में नॉमिनेशन

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का नॉमिनेशन दो कैटेगिरी में हुआ है, एक बेस्ट डायरेक्टर और दूसरी बेस्ट मोशन पिक्चर (नॉन इंग्लिश लैंग्वेज)। यह अवॉर्ड्स फंक्शन 6 जनवरी 2024 को टेलीकास्ट होगा।

एनिमल के विवाद को दरकिनार कर तृप्ति ने बताई फिल्म करने की असल वजह

तृप्ति डिमरी ने अपने छोटे से करियर में काफी लोकप्रियता हासिल की है। लैला मजनू से स्क्रीन पर डेब्यू करने वाली तृप्ति को संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म एनिमल से काफी पॉपुलैरिटी हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म को काफी विवादों का सामना करना पड़ा था और इसे एंटी फेमिनिस्ट फिल्म भी कहा गया था, लेकिन तृप्ति का कहना है कि उन्होंने एनिमल को महिला विरोधी फिल्म के रूप में नहीं बल्कि एक बड़ी फिल्म के रूप में देखा था। एनिमल को महिला विरोधी फिल्म नहीं मानतीं तृप्ति हाल ही में, फिल्मफेयर के साथ एक साक्षात्कार में तृप्ति ने कहा, मैंने इसे नारीवाद विरोधी फिल्म के तौर पर नहीं देखा। मैं फिल्मों को ऐसे टैग नहीं देती। बुलबुल और कला करते समय भी मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नारीवादी फिल्म कर रही हूं। मैं किरदारों से जुड़ी, निर्देशकों पर भरोसा किया और मुझे लगा कि मुझे यह फिल्म करनी चाहिए।

रोल के साथ करना था एक्सपेरिमेंट

एनिमल में काम करने को लेकर अभिनेत्री ने कहा, जब मुझे एनिमल ऑफर किया गया था, तब भी मैं संदीप सर से मिली थी और उन्होंने मुझे कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया, उन्होंने मेरे किरदार के बारे में बताया। मेरे लिए, जो बात सबसे अलग थी, वह यह थी कि मैंने अब तक सिर्फ अच्छे और अच्छे लोगों की भूमिकाएं ही की हैं और मुझे लगा कि यह एक अच्छा मौका है, जहां मैं और किरदार भी निभा सकती हूं।

फिल्म में जोया का किरदार लगा चैलेंजिंग

फिल्म में जोया की भूमिका के बारे में बताते हुए तृप्ति ने कहा, वंगा सर ने मुझे कुछ बहुत ही दिलचस्प बात बताई। वह मेरी आंखों में मासूमिय देखना चाहते थे, लेकिन मेरे दिल में वह मिशन होना चाहिए, जिसे मैं पूरा करना चाहती हूं। मैं वहां कैसे पहुंचूं, यह मेरा काम था। मुझे यह काफी चैलेंजिंग लगा, इसी वजह से मैंने हां कहा।

बड़ी फिल्म करना चाहती थीं तृप्ति

हालांकि, आगे इंटरव्यू में अभिनेत्री ने यह बात मानी कि वह एक बड़ी फिल्म करना चाहती थीं। अभिनेत्री ने कहा, उस समय, एक बड़ी फिल्म मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शायद, मुझे कुछ नया सीखने को मिलेगा और मुझे यह भी देखने को मिलेगा कि बड़ी फिल्में कैसे बनती हैं।

इस दिन से ड्रैगन की शूटिंग शुरू करेंगे जूनियर एनटीआर

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर हाल ही में देवरा में जान्हवी कपूर के साथ नजर आए थे और फिलहाल वह बॉलीवुड फिल्म वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म में वह खलनायक बन बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ दो-दो हाथ करते नजर आएंगे। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस विशेष के रूप में रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, इस बीच जूनियर एनटीआर के पास प्रशांत नील द्वारा निर्देशित एक पैन इंडिया फिल्म भी है, जिस पर नया अपडेट सामने आया है। यह जूनियर एनटीआर की 31वीं फिल्म होगी। एनटीआर 31 का संभावित शीर्षक ड्रैगन है। यह एक एक्शन फिल्म होगी। वहीं, अब फिल्म को लेकर ताजा जानकारी इसकी शूटिंग के बारे में सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ड्रैगन की शूटिंग 16 जनवरी 2025 से शुरू होने की उम्मीद है और यह शेड्यूल मंगलुरु में होगा। हालांकि, इस खबर पर निर्माताओं या खुद अभिनेता जूनियर एनटीआर की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। इस पर अभी निर्माताओं की ओर से आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है।

पर्सनल लाइफ को लेकर बोलीं शालिनी पासी

शालिनी पासी ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने जल्दी शादी होने पर भी बात की। शालिनी ने शाहरुख खान और गौरी खान को लेकर कहा– मेरी काफी कम उम्र में शादी हो गई थी और उस टाइम गौरी ने मुझे काफी सपोर्ट किया था। शालिनी पासी ने मोजो स्टोरी में बरखा दत्त से बातचीत करते हुए कहा कि शाहरुख खान और गौरी खान उनके फैमिली फ्रेंड हैं। शालिनी के पति संजय पासी और शाहरुख खान स्कूल टाइम से दोस्त हैं।

रिश्तों को लेकर काफी मूडी हूं

उन्होंने कहा– संजय रिश्तों को लेकर काफी अच्छे हैं, जबकि मुझे अपने में रहना ज्यादा पसंद है। मैं बहुत ज्यादा मूडी हूं। संजय लोगों के साथ कॉन्टेक्ट बनाने में माहिर हैं, जबकि मैं ऐसा नहीं हूं। मैं किसी के लिए 100% अवेलेबल रहती हूं, लेकिन ये सब मेरे मूड पर डिपेंड करता है। शालिनी पासी ने आगे कहा– 'शाहरुख खान और गौरी के केस में ऐसा नहीं है। वो दिल्ली के रहने वाले लोग हैं, जिन्होंने बॉम्बे में काफी नाम कमाया है। फिर भी वो दोनों अपने सभी दोस्तों के साथ कॉन्टेक्ट में हैं जो काफी अच्छा है। गौरी ने मुझे हर टाइम सपोर्ट किया है। मेरी शादी बहुत छोटी उम्र में हो गई थी और गौरी मुझे हमेशा अपना एग्जांपल देकर समझाती थीं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। मुझे पता था कि मैं उन पर ट्रस्ट कर सकती हूं।'

नेटफ्लिक्स के शो में नजर आई थीं शालिनी

शालिनी पासी नेटफ्लिक्स के फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स के तीसरे सीजन में डेब्यू करने के बाद से काफी चर्चा में हैं।

20 साल की कम उम्र में हुई थी शादी

बता दें, शालिनी ने 20 साल की उम्र में बिजनेसमैन संजय पासी से शादी कर ली थी। उन्होंने 21 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया था। उनका बेटा अब 27 साल का है। शालिनी ने कम उम्र में शादी करने के फैसले को सही बताया है।

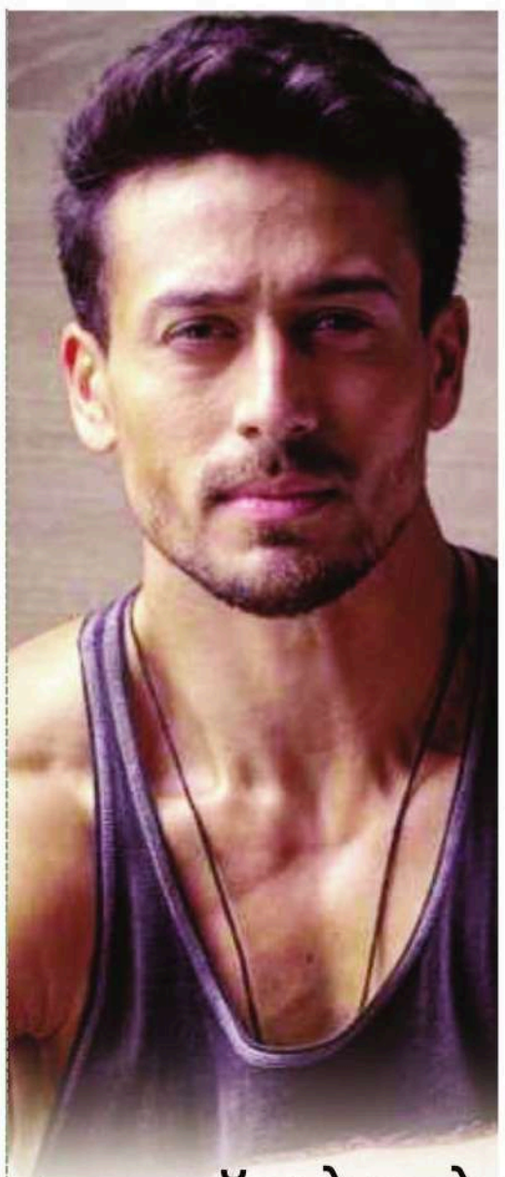

टाइगर श्रॉफ ने अपने गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक झलक साझा की

टाइगर श्रॉफ अपने अभिनय कौशल के अलावा अपनी बेहतरीन फिटनेस, जबरदस्त एक्शन दृश्यों और शानदार डांस मूव्स के लिए भी जाने जाते हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपने गहन प्रशिक्षण के बारे में जानकारी साझा की।

टाइगर श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद प्रभावशाली किक करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्हें अपने ट्रेनर पर शक्तिशाली किक मारते हुए हवा में उछलते हुए देखा जा सकता है। उन्हें बड़े स्क्रीन पर ऐसा कुछ करते हुए देखना दिलचस्प होगा। वीडियो के साथ बागी अभिनेता ने एक नोट लिखा, जिसमें लिखा था, आमतौर पर मुझे अपने किसी भी कौशल पर गर्व नहीं होता..लेकिन, यह एक ऐसा है जिसके बारे में मुझे आश्चर्य है कि मैंने इसे अभी तक क्यों नहीं देखा...भाईजान बच गए सॉरी नदीम अख्तर। इसके बाद नेटिजेंस ने टाइगर श्रॉफ के इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में टिप्पणियों की बाढ़ ला दी, जैसे कि मैं आपका सबसे बड़ा प्रशंसक हूं सर टाइगर श्रॉफ मैं आपसे प्यार करता हूं, फ्लाइंग मशीन, अद्भुत भाई...सुपर मूव, बड़ा प्रशंसक सर, और आप पर वीर हनुमान बजरंग बली का आशीर्वाद है।

टाइगर श्रॉफ समय-समय पर इंटरनेट पर अपनी फिटनेस यात्रा के ऐसे प्रेरक वीडियो डालने के लिए जाने जाते हैं। काम के मोर्चे पर अगर हम बात करें तो टाइगर श्रॉफ वर्तमान में अपनी आगामी एक्शन एंटरटेनर, बागी 4 के लिए तैयार हैं। लोकप्रिय बागी सीरीज की चौथी किस्त में संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज़ संधू मुख्य कलाकार के रूप में नजर आएंगे। ए हर्षा के निर्देशन में बनी यह फिल्म इस साल 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस ड्रामा को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है, जबकि स्वामी जे गौड़ा ने सिनेमैटोग्राफी का काम संभाला है। पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू भी बागी 4 के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। टाइगर एक बार फिर इस फ्रैंचाइजी की नवीनतम किस्त में रॉनी के रूप में अपनी भूमिका को दोहराते हुए दिखाई देंगे।

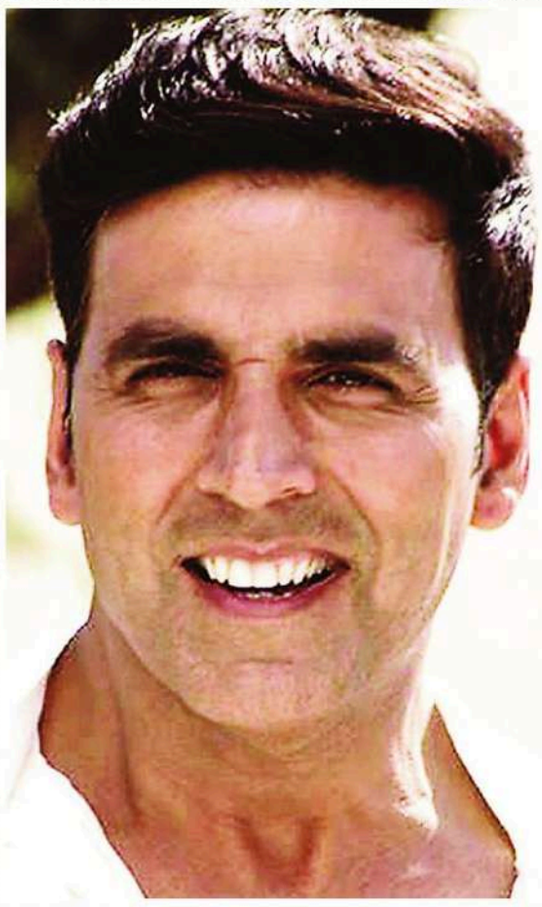

अक्षय कुमार को अपकमिंग फिल्मों से उम्मीद, क्या हिट एक्टर की लिस्ट में शामिल हो पाएंगे अभिनेता?

बॉलीवुड में साल 2025 की शुरुआत में अक्षय कुमार की एक फिल्म सिनेमाघरों में नजर आएगी। साल भर भी अक्षय की कई फिल्में देखने को मिलेंगी। क्या ये फिल्में खिलाड़ी कुमार के करियर पर लगे रहे फ्लॉप के ठप्पे को दूर कर पाएंगी? पिछले दो सालों में अक्षय कुमार के खाते में हिट कम, फ्लॉप फिल्में ज्यादा रही हैं। ऐसे में साल 2025 क्या अक्षय कुमार के करियर के लिए एक बेहतर साल साबित होगा या नहीं, यह उनकी फिल्मों की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट की बताएगी। साल 2025 में अक्षय कौन सी फिल्मों में नजर आएंगे?

स्कॉय फोर्स

साल 2025 में अक्षय कुमार की फिल्म 'स्कॉय फोर्स' दर्शकों को देखने को मिलेगी। 24 जनवरी को यह फिल्म रिलीज हो रही है, 26 जनवरी की छुट्टी का फायदा भी फिल्म को मिल सकता है। साथ ही गणतंत्र दिवस के मौके पर देशभक्ति की कहानी वाली फिल्म दर्शक देखने आ ही सकते हैं। फिल्म को लेकर उत्सुकता भी देखी जा रही है, सोशल मीडिया में इसके ट्रेलर को लेकर काफी क्रेज देखा गया है।

सी शंकरन पर फिल्म

वकील और पॉलिटिशियन रहे सी. शंकरन पर आधारित एक फिल्म में भी अक्षय कुमार नजर आएंगे। इसमें उनके साथ एक्टर आर. माधवन भी होंगे। फिल्म को लेकर अभी अधिक जानकारी नहीं है, लेकिन सब्जेक्ट इंट्रेस्टिंग जरूर लग रहा है।

जॉली एलएलबी 3

'जॉली एलएलबी' सीरीज की फिल्मों का अपना अलग एक दर्शक वर्ग है। इस सीरीज की पहली फिल्म में अरशद वारसी नजर आए, दूसरे पार्ट में अक्षय कुमार थे। अब 'जॉली एलएलबी 3' में अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों ही नजर आएंगे। इस तरह दर्शकों को कॉमेडी की डबल डोज फिल्म में मिल सकती है।

हाउसफुल 5

हाउसफुल सीरीज की फिल्मों का भी हिस्सा अक्षय कुमार लंबे समय से बने हुए हैं। साल 2025 में वह 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे, इसमें बॉलीवुड एक्टर्स की एक बड़ी स्टार कास्ट मौजूद है। हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग खत्म हुई है। हाउसफुल सीरीज की फिल्मों में अक्षय की कॉमेडी दर्शकों को भाती है, इस साल भी हो सकता है कि वह दर्शकों को एंटरटेन कर पाएं।

कन्नप्पा

तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' में अक्षय कुमार कैमियो करेंगे। वह फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा सकते हैं। यह बात फिल्म के ट्रेलर के जरिए पता चली है। फिल्म में साउथ के कई नामी कलाकार भी नजर आने वाले हैं।

अनुपमा शो छोड़ रहीं रूपाली गांगुली? अभिनेत्री ने बताया सच

अनुपमा शो से कई महीनों से लगातार कई कलाकार बाहर हो चुके हैं, वहीं, अब खबरें आ रही थीं कि खुद रूपाली गांगुली भी शो छोड़ देंगी। वहीं, अब खुद अभिनेत्री ने ही इन खबरों का खंडन कर सच बताया है। रुपाली ने कहा- वाह, लोगों की सोच को मैं सराहती हूं, आप सभी का धन्यवाद कि आप मेरे बारे में और शो के बारे में बात कर रहे हैं। मैं क्या कहूं? हर इंसान का एक कोर होता है और मेरा कोर, मेरा विश्वास है, रूपाली ने प्रोडूसर राजन शाही की भी तारीफ की। उन्होंने आगे कहा- अनुपमा सिर्फ एक शो नहीं है मेरे लिए, यह एक भावना है, मेरा घर है, मेरा दूसरा घर, मेरे सारे पेट डॉग्स यहीं हैं और पूरी यूनिट एक परिवार बन गई है। क्या कोई अपना परिवार, घर छोड़ता है और भगवान न करे, ऐसा कभी जिंदगी में हो, अगर कभी राजन जी कह दें कि उन्हें मेरी जरूरत नहीं है तो शायद मैं उनसे लड़ाई करूं, बहस करूं और कहूं, प्लीज मुझे अनुपमा में रहने दीजिए।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267